मुख्यमंत्री से मिले ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त, प्रदेश में कृषि और डेयरी समेत कई सेक्टरों में निवेश पर चर्चा

आस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय यूपी में परिसर बनाएं:योगी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के डेयरी सेक्टर को और बेहतर बनाने में ऑस्ट्रेलिया अच्छा सहयोगी बन सकता है। यूपी एक जिला-एक डेयरी के एक बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाने वाला है, इसमें ऑस्ट्रेलिया से तकनीकी सहयोग मिलना उत्साहवर्धक होगा। विभिन्न ऑस्ट्रेलियाई शैक्षिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के युवा उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया जाते हैं। यह उचित होगा ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय, यूपी के शैक्षिक संस्थानों के साथ शोध, अनुसंधान करने और तकनीकी ज्ञान के हस्तांतरण के लिए एमओयू करते हुए आगे बढ़ें। साथ ही, आस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदेश में अपने परिसर स्थापित करने पर भी विचार किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री बुधवार को लखनऊ आए आस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय संबंधों और कृषि तथा सहायक सेक्टरों में निवेश पर चर्चा कर रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के लखनऊ आगमन पर अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सबसे बड़ी आबादी का यह प्रदेश, भारत के फूड बास्केट के रूप में विशिष्ट पहचान रखता है। हमारे पास देश की कुल कृषि भूमि का 12% हिस्सा है, लेकिन देश की खाद्यान्न जरूरतों का 20 फीसदी उत्तर प्रदेश में ही पैदा होता है। प्रदेश का किसान नावचारों को अपनाने वाला है, ऐसे में यदि ऑस्ट्रेलिया की तकनीकी हमारे किसानों को मिलेगी तो निश्चित ही कृषि, उद्यान, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को बड़ा लाभ मिलेगा।

आस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की।

कृषि क्षेत्र में सहयोग की नई राह दिखायेगा कॉन्क्लेव

लखनऊ। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त डॉ. फिलिप ग्रीन ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र में अत्यधिक संभावनाएं हैं और ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां इन संभावनाओं को विस्तार देने के लिए तैयार हैं। यहां के कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को मजबूत करने में ऑस्ट्रेलिया एक अच्छा सहयोगी बन सकता है। हम उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर इस दिशा में काम करने को तत्पर हैं। ऑस्ट्रेलियन उच्चायुक्त बुधवार को उत्तर प्रदेश-ऑस्ट्रेलिया एग्री बिजनेस कॉन्क्लेव में बोल रहे थे। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया से आए विशेषज्ञों ने खेती-किसानी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर प्रस्तुतिकरण दिया।

हर देशवासी के मन में सेना के प्रति सम्मान

संबोधन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। भारतीय सेना के जांबाज नायक कैप्टन अंशुमान सिंह 19 जुलाई 2023 को सियाचिन में अपने सहयोगियों को बचाते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। कोई भी देश अपनी स्वाधीनता की रक्षा तभी कर सकता है, जब वह अतीत का स्मरण करते हुए अपने गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा ग्रहण करता है। देश की आजादी के बाद हमारे बहादुर जवानों ने प्राणों की बाजी लगाते हुए भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित किया, इसीलिए हर भारतवासी के मन में सेना के जवानों के प्रति सम्मान व स्नेह का भाव होता है। यह स्नेह सैनिकों व उनके परिजनों के उत्साह को कई गुना बढ़ाता है।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बुद्धेश्वर चौराहा पर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह (कीर्ति चक्र) की मूर्ति का अनावरण करने के बाद कहीं। नगर निगम ने बुद्धेश्वर चौराहे को कैप्टन अंशुमान सिंह की स्मृति को समर्पित करते हुए उनकी प्रतिमा स्थापित की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में बुद्धेश्वर चौराहे पर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की मूर्ति का अनावरण किया।

सैनिकों का सम्मान सीमाओं की सुरक्षा सुदृढ़ करता है

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सभी को पंच प्रण का संकल्प दिलाया था। उसमें एक संकल्प सैनिकों के सम्मान का भी है। यदि हम अपने सैनिक का सम्मान करते हैं तो सीमाओं की सुरक्षा व आंतरिक सुरक्षा की स्थिति को सुदृढ़ करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद सुनिश्चित किया गया कि देश की सीमा व आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करते हुए या कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में योगदान देने वाले तथा सेना, अर्द्धसैना या पुलिस के जवान यदि कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए वीरगति को प्राप्त होते हैं तो यूपी सरकार अपनी ओर से 50 लाख रुपये की सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देगी।